

गन्ना की उन्नत तकनीकें किसानों के खेत में



↑ बड निष्काषण



बड चिप



बीजोपचार ↓



↑ प्रत्यारोपित पौधे

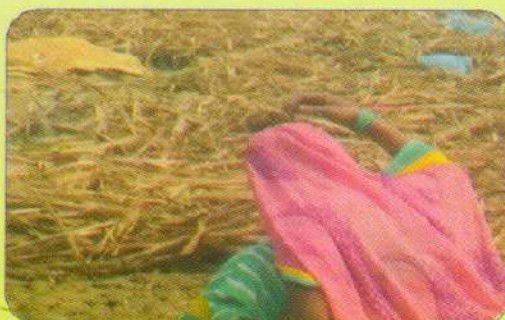
बड चिप से
बिचड़ा तैयार
करते
किसान



मिट्टी की भराई ↓



तैयार बिचड़े



मल्लिचंग



बिचड़े की तैयारी

बड चिप : बीज बचत तकनीक

बड चिप विधि द्वारा बीज गन्ना प्रवर्द्धन करने में केवल 10-12 क्विंटल बीज गन्ना से एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ना की खेती की जा सकती है, जबकि पारंपरिक विधि द्वारा इतने ही क्षेत्रफल के लिए 50-60 क्विंटल बीज की आवश्यकता होती है।

लाभ



विधि



छनी हुई मिट्टी, रेत एवं कम्पोस्ट की मात्रा को बराबर-बराबर अनुपात में मिलाने के बाद 10 मि०ली० क्लोरपायरीफॉस 20 ई०सी० दवा से प्रति क्विंटल मिश्रण को उपचारित करें।



कटे हुए बड चिप को 0.1 प्रतिशत कार्बेण्डाजिम के मिश्रण में 10 मिनट तक डुबोए।



आँसू ऊपर की ओर स्थित होना चाहिए।



हल्की सिंचाई करते रहना चाहिए।



बड चिप को गन्ना की सूखी पत्तियों से ढक देना चाहिए।



आवश्यकतानुसार झरना से पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए।



मल्व को 10 - 15 दिनों के बाद हटा देना चाहिए।



30 से 40 दिनों बाद प्रत्यारोपण 90 x 45 से० मी० की दूरी पर करें।



प्रत्यारोपण के तुरंत बाद प्रथम सिंचाई करना आवश्यक है।

अन्तरवर्ती फसलें : खुशहाली के बढ़ते कदम

राज्य के किसानों के लिए राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय अपने ईख अनुसंधान संस्थान के माध्यम से नवीनतम तकनीकों के विकास एवं इसे किसानों तक पहुँचाने हेतु सदैव तत्पर है। जिसका सकारात्मक परिणाम कृषक प्रक्षेत्रों पर भी दिखने लगा है। वर्तमान समय में बिहार के समस्तीपुर (हसनपुर चीनी मिल क्षेत्र), पश्चिम चम्पारण एवं गोपालगंज जिले में शरदकालीन गन्ना के साथ अन्तरवर्ती फसलें ली जा रही हैं परन्तु इन सब में हसनपुर चीनी मिल क्षेत्र से उत्साहवर्द्धक आँकड़े प्राप्त हुए हैं। इस क्षेत्र में 82.5 प्रतिशत क्षेत्रफल में गन्ने के साथ अन्तरवर्ती फसलें ली जा रही हैं जो अपने आप में एक मिसाल है।

समस्तीपुर जिले में शरदकालीन गन्ना के साथ अन्तरवर्ती फसलों का क्षेत्रफल

अन्तरवर्ती फसल	क्षेत्रफल (एकड़)	प्रतिशत
आलू	4950	42.86
टमाटर	10	0.09
बन्दगोभी	10	0.09
गाजर	5	0.04
प्याज	10	0.09
मटर	10	0.09
राजमा	2000	17.31
मसूर	700	6.06
धनियाँ	400	3.46
सरसों	1455	12.60
मक्का	2000	17.31
अन्तरवर्ती फसलें	11550	82.50
शुद्ध गन्ना फसल	2450	17.50
शरदकालीन गन्ना	14000	—

अन्तरवर्ती फसलों के अनुशंसित प्रभेद

अंतः फसल	प्रभेद
शरदकालीन अन्तरवर्ती फसलें	
आलू	कुफरी सिन्दूरी, कुफरी चन्द्रमुखी, राजेन्द्र आलू-3
मसूर	पन्त एल0 406, अरुण
राजमा	पी० डी० आर०-14
लहसुन	यमुना सफेद, लहसुन बादशाह, स्थानीय
धनियाँ	राजेन्द्र स्वाती एवं स्थानीय
मंगरैला	राजेन्द्र श्यामा एवं स्थानीय
वसंतकालीन अन्तरवर्ती फसलें	
मूँग	पी० एस० 16, सोना
उड़द	टी-9
भिण्डी	पूसा सावनी, परभनी क्रान्ति

वर्तमान में गन्ना के अनुशंसित प्रभेद

अगात प्रभेद : को० पू० 9301, बी० ओ० 130, बी० ओ० 139, बी० ओ० 145, बी० ओ० 153, को० पू० 112, को० लख० 94184

मध्य पिछात प्रभेद : बी०ओ० 91, बी०ओ० 110, को०पू० 9206, को०पू० 9302, बी०ओ० 136, बी०ओ० 137, को०पू० 9702, बी०ओ० 141, बी०ओ० 146, को०पू० 2061, बी०ओ० 154, यू०पी० 9530, को०से० 95427, को० से० 95436

संपर्क : डा० नवनीत कुमार, सस्य वैज्ञानिक, मोबाइल : 9431893339



गन्ना + मसूर



गन्ना + राजमा



गन्ना + राजमा + सरसों



गन्ना + राजमा + जई



गन्ना + धनियाँ + बन्दगोभी + मटर



गन्ना + राजमा + बाकला + सरसों



ईस अनुसंधान संस्थान
राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, बिहार, पूसा (समस्तीपुर)

वेबसाइट : www.pusavarsity.org.in